प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रशिक्षण का आयोजन

पन्तनगर। 13 जुलाई 2024। संस्थान द्वारा 'उन्नत पशुपालन एवं दुधारू पशुओं का प्रबन्धन' प्रशिक्षण का आयोजन जुलाई 10–13, 2024 तक किया गया। उद्घाटन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी, डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने कहा कि पशुपालन एक ऐसा व्यवसाय है, जिससे कृषक अपनी आय में दो से चार गुना वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से दूध के मूल्यवर्धित उत्पाद जैसे खोया, पनीर, चीज, आइसक्रीम, मिष्ठान द्वारा त्वरित आय संवर्धन का सलाह दी। विभागाध्यक्ष, पशुधन उत्पादन प्रबन्धन डा. आर.के. शर्मा ने उपस्थित कृषकों से कहा कि उन्नत पशुपालन प्रबन्धन द्वारा न सिर्फ अपने पशुओं से दूध की मात्रा में बढ़ोत्तरी बल्कि पर्याप्त गोबर की खाद की उपलब्धता से जैविक कृषि की राह पर चला जा सकता है। समेटी समन्वयक डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) ने उपस्थित अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत करने के साथ–साथ समेटी द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम, प्रशिक्षणों की रूपरेखा इत्यादि के बारे में विस्तार से चर्चा किये। प्रशिक्षण में पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नये डेयरी को प्रारम्भ कैसे करें एवं ध्यान रखने योग्य बातें, पशुओं की आवास व संतुलित आहार प्रबन्धन, पशुओं में नस्ल सुधार एवं प्रजनन विधियाँ, पशुओं में प्रजनन विकार, गर्भित पशु की देखभाल एवं नवजात पशु प्रबन्धन, डेयरी उत्पादन का आर्थिक लेखा–जोखा, पशुओं के प्रमुख रोग, कारण एवं निवारण, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन की महत्ता एवं उसके विभिन्न उत्पाद, पशुओं के विभिन्न संक्रामक रोग एवं बचाव हेतु टीकाकरण/प्रबन्धन, पशु परजीवी रोग एवं पशुपालन से सम्बन्धित चर्चा (समस्या एवं निदान), डेयरी उत्पादों का विपणन प्रबन्धन एवं मोटे अनाजों की वैज्ञानिक खेती इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रदर्शन एवं प्रयोगात्मक शिक्षण हेतु प्रतिभागियों को शैक्षणिक डेयरी फार्म नगला, पशु उत्पादन प्रबन्धन विभाग तथा अन्य शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद–पौड़ी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, हरिद्वार, नैनीताल, चमोली, अल्मोड़ा एवं ऊधमसिंह नगर के 53 विभागीय अधिकारियों एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा भाग लिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न कराने में डा. आर.के. शर्मा, प्राध्यापक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कु. ज्योति कनवाल, यंग प्रोफेशनल–द्वितीय तथा श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट का योगदान सराहनीय रहा।

1: प्रशिक्षण में कृषकों को जानकारी देते निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा।